क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 12, सोमवार, 04 फरवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

महागठबंधन की चिंता नहीं, चाहे 10 दल मिल जाएं: अमित शाह

गजरौला अमरोहा। बूथ सम्मेलन के माध्यम से भाजपा ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चुनावी बिगुल फूंक दिया। गजरौला पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने कहा कि महागठबंधन से भाजपा को कोई चिंता नहीं है। सपा, बसपा, रालोद सहित दस दल भी मिल जाएं तो वे भाजपा का विजय रथ नहीं रोक सकते। शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि सपा, बसपा रालोद जातीय आधार पर वोट बांटेंगे, लेकिन वोट मत बंटने देना। मतदान 50 फीसदी तक पहुंचाना। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सभी सीटों को जीतने के संकल्प के साथ अमित शाह ने राम मंदिर का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर वहीं बनेगा, जहां सब चाहते हैं। राहुल गांधी बताएं कि वह कहां चाहते हैं। शाह ने कहा कि भाजपा का विजय रथ नहीं रुकेगा, भले ही दस दल क्यों न मिल जाएं। 73 से 74 सीटें हो सकती हैं लेकिन इससे कम नहीं। शाह ने कहा कि केंद्र में सरकार आने पर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक घुसपैठियों को बाहर करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट को किसान्मुखी बताते हुए पश्चिम की सभी सीटें जीतने का संकल्प दोहराया। योगी ने कहा कि भाजपा सरकार में किसी की हिम्मत नहीं रही कि वह बहू-बेटियों के साथ छेड़छाड़ कर सके। 10 दिन के भीतर गन्ना भुगतान नहीं करने वाली चीनी मिलों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

अयोध्या में जल्द होगा भव्य राम मंदिर का निमार्ण- अमित शाह

गजरौला के रमाबाई डिग्री कालेज के मैदान पर शनिवार को मुरादाबाद, मेरठ और सहारनपुर मंडल का बूथ सम्मेलन भारी भीड़ के बीच हुआ। इससें 14 लोकसभा क्षेत्रों और 71 विधानसभा क्षेत्रों के पच्चीस हजार बूथ अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह देहरादून होते हुए गजरौला पहुंचे।

शाह ने दोनों ही जगह राम मंदिर का मुद्दा उठाया। शाह ने कहा कि राम मंदिर वहीं बनेगा, जहां गर्भ गृह है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, सपा, बसपा बताएं कि वह कहां चाहते हैं।

मंदिर चाहते भी हैं या नहीं। जब भी इस मामले को आगे बढ़ाया जाता है, तो कांग्रेसी वकील आगे आ जाते हैं। मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस पर हमला बोला।

ओआरओपी पर भी उन्होंने वही चुटकी ली, जो वह आजकल अपने भाषणों में खास तौर पर ले रहे हैं।

कैराना का पलायन याद दिलाया

अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती कानून व्यवस्था का बार-बार उल्लेख किया। यह वेस्ट यूपी की दुखती रग है, जिसे बूथ सम्मेलन के माध्यम से दोनों नेताओं ने छुआ।

सीएम ने कैराना का जिक्र करते हुए कहा कि याद कीजिये, कि पहले क्या हाल था, और अब कानून-व्यवस्था की क्या स्थिति है। शाह ने कहा कि पश्चिमी यूपी में लड़कियां डर के मारे स्कूल छोड़ देती थीं। कैराना पलायन के लिए पहचाने जाने लगा था। अब योगी राज में कानून व्यवस्था का राज दिखाई देता है।

पश्चिम जीता था, अब भी जीतेंगे

अमित शाह ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश ने 2014 में सभी 14 सीटें (मेरठ, मुरादाबाद और सहारनपुर मंडल) जीतकर भाजपा की सरकार बनवाई थी। अब भी ऐसा ही होगा। विजय की शुरुआत पश्चिम से ही होगी।

बजट से विपक्ष की बोलती बंद

अमित शाह ने कहा कि ऐतिहासिक बजट से विपक्ष सन्न है। उसको जवाब देते नहीं बन रहा है। तीन लाख करोड़ का बजट देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए पहली बार आया है।

चरण सिंह पहले तो मोदी दूसरे किसान पीएम

वेस्ट यूपी रालोद के प्रभाव वाला क्षेत्र है।

शुवार को गंगा नदी के किनारे एक धार्मिक रस्म के दौरान नव दीक्षित नागा साधुओं की तस्वीर खींचता एक नागा साधु। नागा साधु अपनी कार में मेला क्षेत्र से बाहर जाते हुए।

45 मिनट की देरी से वाराणसी पहुंची 'वंदेभारत एक्सप्रेस'

वाराणसी। देश की पहली सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदेभारत एक्सप्रेस (ट्रेन-18) का शनिवार को फाइनल ट्रायल हुआ। ट्रेन नई दिल्ली से सुबह 6 बजे चलकर पौने नौ घंटे में यानि की दोपहर 2.45 बजे वाराणसी कैंट स्टेशन पहुंची। ट्रेन को 2 बजे वाराणसी पहुंचा था लेकिन ट्रेन 45 मिनट की देरी से पहुंची। ट्रायल के दौरान इसकी अधिकतम रफ्तार 130 किमी प्रति घंटे रही। आरडीएसओ की टीम ट्रायल रिपोर्ट आरडीएसओ मुख्यालय को देगी। वहां संरक्षा विभाग के उच्च अफ्सर इसका आकलन करेंगे। दो दिन में इसका रूट फाइनल होगा। नई दिल्ली से सुबह छह बजे चली ट्रेन-18 दोपहर 12.25 बजे प्रयागराज पहुंची। वहां से 12.35 बजे चलकर मिर्जापुर, काशी स्टेशन होते हुए दोपहर 2.45 बजे वाराणसी पहुंची। ट्रेन दोपहर 3:12 बजे यहां से काशी-ब्लॉक हट-बी-मिर्जापुर के रूट से प्रयागराज होते हुए नई दिल्ली रवाना हो चुकी है।

ट्रायल के दौरान ट्रेन के सभी 16 कोच में सेंसरयुक्त मशीन के जरिए पटरियों की कंपन का आंकलन किया गया। आरडीएसओ की चार सदस्यीय टीम सेंसरयुक्त मशीन से मिल रहे संकेत व डाटा को कंप्यूटर में फीड करती रही। प्रयागराज से इस ट्रेन को लेकर पायलट सलीम अहमद और आरके सिंह आये। कैंट स्टेशन पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक टीपी सिंह और लखनऊ मंडल के डीआरएम सतीश कुमार, एडीआरएम रवि प्रकाश चतुर्वेदी मौजूद रहे।

हाईस्कूल और हायर सेकेंड्री परीक्षाओं के प्रवेशपत्र जारी

एजेंसी,भोपाल। मध्यप्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से संचालित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंड्री की मुख्य परीक्षाएं 01 और 02 मार्च से आरम्भ होंगीं, जिनके प्रवेशपत्र सभी 51 जिले की समन्वय संस्थाओं में वितरण के लिए भेजे जा चुके हैं। मंडल की ओर से आज यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि जिले की सभी अनुपूरक संस्थाएं अपने जिले की समन्वयक संस्था से सम्पर्क स्थापित कर छात्रों को वितरित करने के लिए प्रवेशपत्र प्राप्त कर सकती हैं। छात्र और छात्राओं के भविष्य को निधार्रति करने वाली हर दृष्टि से प्रदेश की सबसे बड़ी इन परीक्षाओं में लगभग 18 लाख छियासठ हजार से अधिक परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं।

हाईस्कूल परीक्षा में इस वर्ष 11,32,741 परीक्षार्थी तथा हायर सेकेंड्री परीक्षा में लगभग 7,32,319 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। हाईस्कूल परीक्षा के लिए 3,864 परीक्षा केन्द्र और हायर सेकेंड्री परीक्षा के लिए 3,554 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। हाईस्कूल और हायर सेकेंड्री परीक्षाओं के नियमित परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं, जहाँ वे पढ़ते है, उसी विद्यालय में 12 फरवरी से 26 फरवरी के मध्य आयोजित की जाएंगी और हायर सेकेंड्री व हाईस्कूल स्वाध्यायी छात्रों की प्रायोगिक परीक्षा उन्हें आवंटित परीक्षा केन्द्र में 07 मार्च से 31 मार्च के मध्य संचालित की जाएंगी।

पति ने किया पत्नी का रेप, जानें क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली। दिल्ली में झगड़े के बाद पत्नी अलग रहने लगी तो पति ने दोस्त के साथ मिलकर गुरुवार को अपने ही बच्चे को अगवा कर लिया। बच्चे को मारने की धमकी देकर आरोपी ने अपनी ही पत्नी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वारदात राजौरी गार्डन इलाके की है। पुलिस के मुताबिक, 26 वर्षीय पीड़ित महिला पश्चिमी जिले के राजौरी गार्डन इलाके में रहती है। उसने कुछ वर्ष पहले दूसरे समुदाय के एक युवक से प्रेम विवाह किया था। पीड़िता का तीन साल का एक बेटा भी है। मगर पारिवारिक झगड़े के कारण पीड़िता कुछ दिनों से पति से अलग रहने लगी। इस बात को लेकर उसका पति उससे नाराज था। आरोप है कि गुरुवार दोपहर पति ने अपने बच्चे को अगवा कर लिया। पीड़िता ने पति से फोन पर संपर्क किया तो उसने उसे अपने घर बुलाया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि वारदात में पति के एक दोस्त ने भी उसकी पूरी सहायता की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस जांच कर रही है।

उत्तर नगर में युवी से दुष्कर्म

दिल्ली के उत्तम नगर में रहने वाली 24 वर्षीय एक युवती ने गुरुवार को अपने दोस्त के खिलाफ दुष्कर्म करने का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता एक निजी कंपनी में काम करती है। करीब एक साल पहले उसकी दोस्ती एक युवक से हुई। इसी दौरान युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बीती रात पीड़िता ने शिकायत दी तो पुलिस ने उसका मेडिकल कराया और इस संबंध में मामला दर्ज किया। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

दलित शिक्षाविद आनंद तेलतुम्बड़े गिरफ्तार, सुप्रीम कोर्ट ने दी थी गिरफ्तारी से छूट

मुंबई एजेंसियां। पुणे पुलिस ने दलित शिक्षाविद आनंद तेलतुम्बड़े को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें भीमा कोरेगांव हिंसा से संबंधित एल्गार परिषद मामले में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुंबई हवाई अड्डे पर गिरफ्तारी :

एक अधिकारी ने बताया कि गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के प्रोफेसर आनंद तेलतुम्बड़े को शनिवार तड़के मुंबई हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया। उन्हें मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया और बाद में पुणे पुलिस के हवाले कर दिया। पुणे पुलिस के संयुक्त आयुक्त शिवाजी बोडखे ने कहा, तेलतुम्बड़े को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।

मामले की जांच कर रहे सहायक पुलिस आयुक्त शिवाजी पवार ने कहा, पुणे की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को तेलतुम्बड़े की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद हमने शनिवार को उन्हें गिरफ्तार करने का निर्णय लिया।

अदालती आदेश की अवहेलना :

तेलतुम्बड़े के वकील रोहन नाहर ने उनकी गिरफ्तारी को अवैध बताया है। नाहर ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने तेलतुम्बड़े को 11 फरवरी तक गिरफ्तारी से छूट दे रखी है। ऐसे में उनकी गिरफ्तारी सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना है। हम इसके खिलाफ याचिका दायर करेंगे। वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने भी तेलतुम्बड़े की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए ट्वीट किया। उन्होंने कहा, डॉक्टर तेलतुम्बड़े की गिरफ्तारी उच्चतम न्यायालय के उस आदेश का बड़ा उल्लंघन है, जिसमें उन्हें गिरफ्तारी से 11 फरवरी

तक छूट दी गई है। यह उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवहेलना है। तेलतुम्बड़े को तुरंत रिहा किया जाए।

माओवादी गतिविधियों का आरोप :

गौरतलब है कि पुणे स्थित अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश किशोर वडाने ने शुक्रवार को पाया था कि जांच अधिकारी ने अपराध में आरोपी (तेलतुम्बड़े) की संलिप्तता दिखाने के लिए पर्याप्त सामग्री जुटाई है। अभियोजन पक्ष ने गुरुवार को साक्ष्यों वाला एक लिफाफा सौंपा था। साथ ही दावा किया था कि यह माओवादी गतिविधियों में तेलतुम्बड़े की संलिप्तता को साबित करता है।

भीमा-कोरेगांव हिंसा का मामला :

तेलतुम्बड़े ने पुणे अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। उन्होंने यह कदम तब उठाया था, जब सुप्रीम कोर्ट ने एल्गार परिषद मामले में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी। पुलिस के अनुसार, माओवादियों ने पुणे में 31 दिसंबर 2017 को एल्गार परिषद सम्मेलन का समर्थन किया था। वहां भड़काऊ भाषण दिए गए जिसके अगले दिन भीमा-कोरेगांव युद्ध स्मारक पर हिंसा भड़क गई थी।

अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला : माकपा

माकपा ने शिक्षाविद आनंद तेलतुम्बड़े की गिरफ्तारी को भाजपा सरकार की दमनकारी नीति का हिस्सा बताया है। माकपा पोलित ब्यूरो ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा, तेलतुम्बड़े की गिरफ्तारी सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश का उल्लंघन है जिसमें कोर्ट ने उन्हें चार सप्ताह के लिए गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया था, ताकि वह जमानत ले सकें। गिरफ्तारी से संरक्षण की अवधि 11 फरवरी को समाप्त हो रही है। पार्टी ने कहा, तेलतुम्बड़े की गिरफ्तारी अलोकतांत्रिक है। यह अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला है, जिसका सभी लोकतांत्रिक-धर्मनिरपेक्ष संगठनों को एकजुट होकर विरोध करना चाहिए।

ऋषि कुमार शुक्ला को नियुक्त किया गया सीबीआई का नया निदेशक

नयी दिल्ली एजेंसी। लंबे उहापोह के बाद आखिरकार सरकार ने केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक के पद पर नियुक्ति का निर्णय लेते हुए भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी और मध्य प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक ऋषि कुमार शुक्ला को यह जिम्मेदारी सौंपी है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति ने दिल्ली पुलिस स्थापना अधिनियम 1946 के तहत गठित समिति द्वारा भेजे गये नामों के पैनल के आधार पर शुक्ला की नियुक्ति को मंजूरी दी है। शुक्ला सीबीआई के पूर्व निदेशक आलोक वर्मा का स्थान लेंगे। शुक्ला की नियुक्ति दो वर्ष के लिए की गयी है जो उनके पदभार संभालने के दिन से प्रभावी होगी।

उल्लेखनीय है कि सीबीआई के शीर्ष दो अधिकारियों की आपसी खींचतान में आलोक वर्मा को निदेशक पद से हटाए

केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति ने दिल्ली पुलिस स्थापना अधिनियम 1946 के तहत गठित समिति द्वारा भेजे गये नामों के पैनल के आधार पर शुक्ला की नियुक्ति को मंजूरी दी है।

जाने के बाद 10 जनवरी से यह पद खाली पड़ा है। इससे पहले 24 जनवरी को समिति की बैठक हुई थी, जिसमें कोई नतीजा नहीं निकल पाया था। सीबीआई के पूर्व निदेशक आलोक वर्मा और सीबीआई के ही पूर्व स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना की लड़ाई के बाद सीबीआई चर्चा में आई थी। सीबीआई के नंबर वन और टू अधिकारी ने एक दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। जिसके बाद आलोक वर्मा को सीबीआई डायरेक्टर के पद से हटाकर दमकल सेवा महानिदेशक, नागरिक रक्षा और होम गार्ड्स का महानिदेशक बनाया गया था, जिसके बाद उन्होंने खुद इस्तीफा दे दिया था।

जरूरत पड़ी तो और बढ़ाया जाएगा आवंटन

रक्षा बजट पहली बार तीन लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्र सरकार ने वर्ष 2019-20 के बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 3.05 लाख करोड़ रपए का प्रावधान किया है। यह पहला मौका है जब रक्षा बजट के लिए तीन लाख करोड़ रपए से ज्यादा घोषित किया गया है। वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने आम चुनाव से पहले शुक्रवार को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार ने वर्ष 2019-20 के बजट प्रावधानों में रक्षा बजट के लिए तीन लाख करोड़ रपए से अधिक का आवंटन किया है। उन्होंने कहा कि सीमाओं को सुरक्षित रखने और उच्चतम स्तर की तैयारी बनाए रखने के लिए जरूरत पड़ने पर इस राशि को और बढ़ाया जाएगा। वर्ष 2018-19 में रक्षा क्षेत्र के लिए 2.95 लाख करोड़ रपए का प्रावधान किया गया था। यह राशि केंद्र सरकार के कुल खर्च का 12.10 फीसद थी। इसमें से 1 लाख 95 हजार 947 करोड़ रपए कुल व्यय और 99 हजार 536 करोड़ रपए पूंजीगत व्यय के लिए निर्धारित किए गए थे। इससे पहले वर्ष 2017-18 में रक्षा क्षेत्र के लिए 2 लाख 79 हजार करोड़ रपए का प्रावधान किया गया था।

तांत्रिक ने मांगी नरबलि की अनुमति, बोला-पहले बेटे की दूंगा कुर्बानी

बेगूसराय बिहार एजेंसी, । बेगूसराय में एक तांत्रिक की मांग से प्रशासन भी चकरा गया है। उसने अपने देवता को खुश करने के लिए नरबलि की अनुमति मांगी है।

सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में तांत्रिक ने कथित तौर पर दावा किया है कि नरबलि अपराध नहीं है और वह सबसे पहले अपने इंजीनियर बेटे की कुर्बानी देने वाला है।

मुफस्सिल थाना अंतर्गत मोहनपुर पहाड़पुर के रहने वाले सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने 29 जनवरी को बेगूसराय के सब डिविजनल ऑफिसर (सदर) को एक पत्र लिखा।

इस कथित पत्र का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। हालांकि, एसडीओ संजीव कुमार चौधरी का कहना है कि उन्हें पत्र नहीं मिला है।

उन्होंने कहा, ''यह गंभीर मामला है। नरबलि अवैध है।

हम चिट्ठी और तांत्रिक का पता लगा रहे हैं। उचित कार्रवाई की जाएगी। पत्र अज्ञात संगठन ''बिंदु मां मानव कल्याण संस्था के लेटरहेड पर लिखा गया है। सिंह दावा करता है कि वह इस संगठन का प्रमुख है जो सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत पंजीकृत है।

वीडियो में तांत्रिक कहता है, ''नरबलि अपराध नहीं है। मां कामाख्या ने नरबलि का आदेश दिया है।

सबसे पहले मैं अपने इंजीनियर बेटे की बलि देना चाहता हूं जिसने मेरे मंदिर के लिए वित्तीय मदद करने से इंकार कर दिया। वह रावण जैसा है।

ग्रामीणों ने बताया कि अजीबोगरीब व्यवहार के कारण सिंह को ''पगला बाबा कहा जाता है।

कभी-कभार निर्वस्त्र और हाथ में नरमुंड भी लेकर उसे घूमते हुए देखा गया है। उन्होंने कहा कि चर्चा में बने रहने के लिए वह इस तरह के करतब करता रहता है। यह भी उसकी इसी तरह की हरकत है ।

संपादकीय

अकूत तेल संपदा वाला देश वेनेजुएला इन दिनों गंभीर राजनीतिक संकट का सामना कर रहा है। एक ओर निर्वाचित राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की वैध सत्ता है, तो विपक्षी नेता जुआन गुएडो ने अपने को राष्ट्रपति घोषित कर दिया है और समानांतर सत्ता का केंद्र बन गए हैं। सत्ता की इस लड़ाई में जनता पिस रही है और उसके पास खाने तक को पैसे नहीं हैं। यह संकट वेनेजुएला के साथ-साथ भारत समेत पूरी दुनिया के लिए बेहतर नहीं है।

खत्म हो वेनेजुएला का संकट

अकूत तेल संपदा वाला देश वेनेजुएला इन दिनों गंभीर राजनीतिक संकट का सामना कर रहा है। एक ओर निर्वाचित राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की वैध सत्ता है, तो विपक्षी नेता जुआन गुएडो ने अपने को राष्ट्रपति घोषित कर दिया है और समानांतर सत्ता का केंद्र बन गए हैं। वेनेजुएला के इस संकट की धुरी अमेरिका बना हुआ है। अमेरिका और उसके कुछ पिछलग्गू दक्षिण अमेरिकी राष्ट्रों ने गुएडो को अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में मान्यता दे दी है और देश में नए चुनाव कराने की बात कही है। जाहिर है, अमेरिका का एकमात्र मकसद वेनेजुएला में तख्तापलट कर अपने अनुकूल सरकार बनवाना है। इसलिए वेनेजुएला का यह संकट अब देश के दायरे में सीमित नहीं रह गया है, इसने दुनिया के तमाम देशों के दो खेमों में बांट दिया है- वेनेजुएला के समर्थक और विरोधी। अमेरिका के मैदान में उतरने के बाद रूस, चीन, तुर्की, मैक्सिको, क्यूबा सहित कुछ दक्षिणी अमेरिकी देश भी खुल कर मादुरो के समर्थन आ गए हैं, जबकि कनाडा, ब्रिटेन, अर्जेंटीना, ब्राजील और यूरोपीय संघ जैसे देश अमेरिका की हां में हां मिला रहे हैं। कुल मिलाकर वेनेजुएला दुनिया का नया अखाड़ा बनने की ओर अग्रसर है।

तेल संपन्न राष्ट्रों पर कब्जा करने की अमेरिका की रणनीति पुरानी रही है। पहले किसी न किसी मुद्दे पर अमेरिका तेल से भरपूर राष्ट्रों के साथ विवाद पैदा करता या कराता है और फिर इसकी आड़ में वहां सत्ता परिवर्तन करवाता है। ईरान, इराक जैसे देश इसका बड़ा उदाहरण हैं। तेल के लिए ही अरब बिरादरी में अमेरिका की गहरी पैठ है और अरब देश उसके इशारे पर चलते हैं। लेकिन वेनेजुएला पर कब्जा उसके लिए अभी तक सपना ही रहा है। हाल में जिस तरह का विवाद खड़ा किया गया है उसके मूल में भी तेल की राजनीति है। अमेरिका शुरू से मादुरो की सत्ता के खिलाफ रहा है और उन्हें सत्ता से बाहर करना चाहता है। मादुरो ने अमेरिका पर तख्तापलट का आरोप लगाते हुए उसके साथ राजनयिक रिश्ते तोड़ लिए हैं और उसके राजनयिकों को देश छोड़ने को कह दिया है। दूसरी ओर अमेरिका ने गुएडो को राष्ट्रपति की मान्यता देते हुए अपने राजनयिकों को अमेरिका नहीं छोड़ने को कहा है। ऐसे में सवाल है कि देश में कौन किसकी सत्ता को मानेगा? हालांकि अभी तक सेना और देश की न्यायपालिका मादुरो के साथ ही है। पर जनता में व्याप्त रोष और विद्रोह से निपटना मादुरो के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

वेनेजुएला लंबे समय से गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। पिछले कुछ सालों में वहां मुद्रास्फीति 83 हजार फीसद तक बढ़ गई है। लोगों के पास खाने तक को नहीं है। लाखों लोग पड़ोसी देशों में शरण ले चुके हैं। देश के भीतर विपक्ष की अगुआई में विरोध-प्रदर्शनों का सिलसिला थम नहीं रहा। ऐसे हालात देश को अस्थिरता की ओर धकेल रहे हैं। भारत और अमेरिका वेनेजुएला के दो बड़े तेल खरीदार हैं। अब अमेरिका का अगला कदम वेनेजुएला से तेल खरीद पर पाबंदी लगाना होगा, जो उसकी अर्थव्यवस्था को धक्का पहुंचाने वाला होगा। वहीं भारत की भी कई तेल कंपनियां वेनेजुएला के तेल उद्योग से जुड़ी हैं। इसके अलावा वेनेजुएला भारत के लिए बड़ा दवा बाजार है। ऐसे में भारत वेनेजुएला की घटनाओं से अछूता नहीं रह सकता। सवाल वेनेजुएला की संप्रभुता का है। देश के अंदरूनी संकट में दूसरे देशों का कूदना उसे और गर्त में धकेलने वाला होगा। लिहाजा, इस संकट का जल्द से जल्द खत्म होना वेनेजुएला और पूरी दुनिया के लिए हितकर होगा।

भारत भी वेनेजुएला के आर्थिक और राजनीतिक हालात पर निगाह बनाए हुए है। इस मामले में भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि वो वेनेजुएला में पैदा हुए हालात पर करीबी से निगाह रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस राजनीतिक विवाद को वेनेजुएला के लोगों को रचनात्मक वार्ता के जरिए सुलझाना चाहिए। इसके लिए हिंसा का रास्ता कतई नहीं अपना चाहिए। भारत का मानना है कि वेनेजुएला के लोगों की उन्नति और समृद्धि के लिए लोकतंत्र, शांति और सुरक्षा होना बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और वेनेजुएला के बीच करीबी और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। वेनेजुएला से तेल खरीदने के मामले में भारत शीर्ष देशों में से एक है। अब अमेरिका उसके तेल निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दे रहा है। बता दें कि पिछले साल मार्च में निकोलस मादुरो अंतरराष्ट्रीय सोल अलायंस समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। भारत ने वेनेजुएला के साथ हाइड्रोकार्बन सेक्टर में सहयोग के लिए द्विपक्षीय समझौता भी किया है। इसके अलावा वेनेजुएला के ऑयल क्षेत्र में भारत ने निवेश भी किया है।

कुल मिलाकर, वेनेजुएला गंभीर संकट में फंस गया है जिससे बाहर निकलने का किसी को कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है। महंगाई छत फाड़ रही है और सुपर बाजार के रैक खाली पड़े हैं, लाखों लोग देश छोड़कर भाग रहे हैं, लेकिन सरकार में किसी बदलाव के आसार नहीं हैं। धांधली के आरोपों के बीच हुए चुनाव में समाजवादी राष्ट्रपति मादुरो ने जीत का दावा करते हुए कहा है कि शांति और लोकतंत्र की जीत हुई है। विपक्ष इस जीत को नहीं मानता। विपक्ष ने चुनाव का बहिष्कार करने का आह्वान किया था। मतदान में सिर्फ 46 प्रतिशत लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें से 68 प्रतिशत मादुरो के पक्ष में आए। चुनाव में मादुरो का विरोध करने वाले हेनरी फाल्कॉन ने कहा कि हम इस चुनाव को नहीं मानते और इसे अवैध करार देते हैं। सोशलिस्ट पार्टी के पूर्व समर्थकों का भी धैर्य टूट रहा है। मादुरो अपने चुनाव को ऐतिहासिक बता रहे हैं लेकिन 2013 के पिछले चुनाव के मुकाबले उन्हें 20 लाख कम वोट मिले हैं। फिर भी उनके कट्टर समर्थकों का बड़ा तबका अभी मौजूद है जिन्हें ह्यूगो चावेज और उनके कार्यकाल में पहली बार सम्मान मिला है। उन्हें रहने के लिए मकान मिला, खाने के लिए सस्ता अनाज मिला और उनके बच्चे स्कूलों और कॉलेजों में जा पाए। विपक्ष का आरोप है कि इसकी वजह से निर्भरताएं कायम हुई हैं, जिनका इस्तेमाल मादुरो कर रहे हैं। काराकस के केंद्र में रहने वाले कारोबारी फर्नांडो कार्वाखाल कहते हैं, जनता भुखमरी का सामना कर रही है लेकिन वफादार है। आर्थिक संकट के लिए फर्नांडो विदेशी ताकतों की साजिश को जिम्मेदार मानते हैं। ये कई देशों की लड़ाई है जिसे हम रोकना चाहते हैं, ये अंतरराष्ट्रीय अति दक्षिणपंथी हैं।

वेनेजुएला आपदा मोड में है। दुकान खाली पड़ी हैं। कुछ खरीदने को नहीं है। अस्पतालों में दवाओं की कमी के कारण बच्चे मर रहे हैं। हिंसा और अपराध नियंत्रण से बाहर निकल गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार इस साल वेनेजुएला में मुद्रास्फीति में वृद्धि की दर 13 हजार 800 प्रतिशत रहेगी। सकल राष्ट्रीय उत्पादन में 15 प्रतिशत की कमी की आशंका है। वेनेजुएला विशेषज्ञ लुइस सालामांका का कहना है कि देश शासन के लायक नहीं रहा और सबसे बुरी बात यह है कि हालात में बदलाव के कोई संकेत नहीं हैं। अर्थव्यवस्था के इस दौर में आप कल्पना नहीं कर सकते कि कहीं आज भी लेनदेन के लिए बार्टर व्यवस्था (पैसे के जगह पर कोई सामान) का प्रयोग किया जा रहा हो। एक सामान या सुविधा के बदले दूसरा सामान देने की व्यवस्था आज भी वेनेजुएला में चल रही है। वेनेजुएला में बाल कटवाने के बदले अंडे और केले देकर काम चलाया जा रहा है। दरअसल इसकी वजह है कि वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था इस वक्त बहुत खराब दौर से गुजर रही है। विशेषज्ञों की राय है कि महंगाई बेहिसाब बढ़ी, लेकिन देश में उसेक अनुपात में कैश का इंतजाम नहीं हो सका। राष्ट्रीय बैंक कैश की किल्लत को दूर नहीं कर पाए जिसके कारण आर्थिक मोर्चे पर चुनौतियां लगातार बढ़ती चली गईं।

राधिका तिवारी
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

विचार

भ्रष्टाचार मिटाने और काम बाकी

भारत में भ्रष्टाचार कम होने पर वैश्विक मुहर लग गई है। वैश्विक भ्रष्टाचार सूचकांक, 2018 में भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है। भ्रष्टाचार के मामले में भारत की स्थिति सुधर गई हो, मगर हमें प्रयास जारी रखना होगा और देश में भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाना होगा।

भारत में भ्रष्टाचार गंभीर समस्या बना हुआ है। आज जनता के बीच आम धारणा यही है कि सरकारी महकमों में कोई भी काम बिना पैसे नहीं होता, चाहे काम छोटा हो या बड़ा। भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के वादे के साथ सत्ता में आई मोदी सरकार के लिए पिछले चार साल सही नहीं रहे। हालांकि, इस दौरान केंद्र सरकार ने नोटबंदी जैसा कड़ा फैसला लिया और भ्रष्टाचार निरोधक कानून को और सख्त बनाने की दिशा में कदम भी उठाया, मगर वैश्विक स्तर पर इन प्रयासों को स्वीकार्यता नहीं मिल पा रही थी। मगर अब भारत में भ्रष्टाचार कम होने पर वैश्विक मुहर लग गई है। वैश्विक भ्रष्टाचार सूचकांक, 2018 में भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है। ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल ने 2018 के भ्रष्टाचार सूचकांक में कहा है कि दुनियाभर के 180 देशों की सूची में भारत तीन स्थान के सुधार के साथ 78वें पायदान पर पहुंच गया है। वहीं इस सूचकांक में चीन 87वें और पाकिस्तान 117वें स्थान पर हैं।

ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब अगले कुछ माह में आम चुनाव होने हैं। निश्चित रूप से यह मोदी सरकार के दावे को मजबूत करेगा। भ्रष्टाचार में रैंकिंग सुधरने के बाद अब सरकार को इस दिशा में और बड़े प्रयास करने होंगे, ताकि आम और खास की बड़ी समस्या का निवारण हो सके। सरकार ने भ्रष्टाचार पर शिकंजा कसने के लिए पिछले दिनों भ्रष्टाचार निरोधक कानून को और सख्त बनाने की दिशा में कदम उठाए हैं, उससे उम्मीद की जानी चाहिए कि भविष्य में भ्रष्टाचारियों पर काफी हद तक लगाम लग सकेगी। इस कानून को सख्त बनाना इसलिए भी जरूरी हो गया था कि भ्रष्टाचार को अंजाम देने वाले लोग नए विकल्प और रास्ते खोज लेते हैं और कमजोर कानून का फायदा उठाते हैं। इससे यह समस्या और गंभीर होती जा रही है। ऐसा नहीं है कि घूस के एवज में सिर्फ रुपयों की ही मांग की जाती हो। किसी काम को गैरकानूनी रूप से कराने के बदले तमाम तरह के अनुचित लाभ लेना और देना भी भ्रष्टाचार का बड़ा जरिया बना हुआ है। भ्रष्टाचार निरोधक (संशोधन) अधिनियम 2018 में यौन तुष्टि की मांग करने और स्वीकार करने को भी घूस लेना माना गया है। दरअसल, भ्रष्टाचार बढ़ने की वजह यही थी कि कानून में 'अनुचित' लाभ की परिभाषा स्पष्ट नहीं थी। यह सर्वविदित है कि आम लोगों के लिए सरकारी दफ्तरों में जायज काम कराना भी आसान नहीं है। इतना ही नहीं, नौकरी, इंटरव्यू, स्कूल-कॉलेजों में दाखिले, अस्पताल में इलाज, गरीबों के लिए चलने वाली योजनाएं तक भ्रष्टाचार की मार से त्रस्त हैं। सख्त कानून वक्त की जरूरत है। लेकिन इससे ज्यादा जरूरी है उस पर कारगर तरीके से अमल करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति, जो ज्यादातर मामलों में देखने में नहीं आती है। हालांकि, अब भले ही भ्रष्टाचार के मामले में भारत की स्थिति सुधर गई हो, मगर प्रयास जारी रखना होगा और भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाना होगा।

ग्लोबल वार्मिंग : भविष्य की अनदेखी

जलवायु परिवर्तन को लेकर भारत अगर आज भी सजग नहीं हुआ तो आने वाला वक्त महंगा साबित हो सकता है। भारत 2050 तक फल-सब्जियों के अलावा दूध के लिए भी तरस जाएगा। यह बात पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की रिपोर्ट में सामने आई है। इसे भाजपा सांसद मुरली मनोहर जोशी की अध्यक्षता वाली समिति ने संसद में पेश किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दूध के उत्पादन को लेकर यदि नहीं संभले तो इसका असर 2020 तक दिखने लगेगा। दूध के उत्पादन में 1.6 मीट्रिक टन की कमी आ सकती है। इसके अलावा चावल समेत कई फसलों के उत्पादन में कमी और किसानों की आजीविका पर इसका असर दिखाई देगा। जलवायु परिवर्तन का सीधा असर फसलों पर भी दिखाई देगा। 2020 तक चावल के उत्पादन में चार से छह फीसदी, आलू में 11, मक्का में 18, सरसों में दो फीसदी तक कमी आ सकती है। वहीं, सबसे बुरा असर गेंहू की उपज पर होगा। अनुमान है कि गेहूं की उपज 60 लाख टन तक गिरेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, दूध के उत्पादन में सबसे ज्यादा गिरावट उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में देखने को मिलेगी। ग्लोबल वॉर्मिंग से इन राज्यों में गर्मी तेजी से बढ़ेगी इससे पानी की कमी होगी और असर पशु उत्पादकता पर पड़ेगा। सेब के बागानों पर भी जलवायु परिवर्तन का बुरा असर होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि सेब की खेती समुद्र तल से 2500 फीट की ऊंचाई पर करनी होगी क्योंकि अभी खेती 1230 मीटर की ऊंचाई पर होती है। आने वाले वक्त में यहां गर्मी बढ़ने से सेब के बाग सूख जाएंगे और खेती ऊंचाई वाली जगह पर स्थानांतरित करनी पड़ेगी। उत्तर भारत में जलवायु परिवर्तन के कारण कपास उत्पादन कम होने तो मध्य और दक्षिण भारत में बढ़ोतरी होने की संभावना है। पश्चिम तटीय क्षेत्र केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र तथा पूर्वोत्तर राज्यों, अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप में नारियल उत्पादन में इजाफा होने का अनुमान है।

ग्लोबल वार्मिंग को लेकर यह रिपोर्ट हमें सचेत करने वाली है। कुछ दिनों पहले आई एक और रिपोर्ट ने हमारी लापरवाही की भयावहता को उजागर किया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि फरवरी में मौसम ने गर्मी का अहसास करवाना शुरू कर दिया है। बेशक अगले एक-दो दिन में मौसम में बदलाव होने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन बीता जनवरी माह वर्ष 2006 के बाद सबसे अधिक गर्म महीना दर्ज किया गया। 2006 में जहां औसत अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं जनवरी-18 में औसत अधिकतम तापमान 22.2 रहा। इस साल का जनवरी माह पिछले 12 वर्षों में सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया। जनवरी, 2006 में औसत अधिकतम तापमान 22.4 के बाद सीधे इस साल 22.2 दर्ज किया गया।

संसदीय समिति ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर भारत अगर आज भी सजग नहीं हुआ तो आने वाला वक्त महंगा साबित हो सकता है। भारत 2050 तक फल-सब्जियों के अलावा दूध के लिए भी तरस जाएगा। ग्लोबल वार्मिंग को लेकर पूरी दुनिया का जो हाल है, वह भविष्य के लिए घातक हो सकता है। प्रकृति के प्रति जो जिम्मेदारी है, उसे हमें ही निभाना होगा, अन्यथा हम आने वाली पीढ़ी को सिर्फ विनाश देंगे।

रिपोर्ट में कहा गया था कि वर्ष 2018 का जनवरी माह 12 वर्ष बाद सबसे गर्म महीना रहा। इस माह बरसात भी मात्र 4.4 मिलीमीटर दर्ज की गई। वर्ष 2016 को छोड़ दें तो 2012 से लेकर 2017 तक बरसात भी इस जनवरी से ज्यादा हुई थी। अधिकतम तापमान औसतन 1.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा है जिस कारण जनवरी गर्म महीना रहा। जनवरी माह पर नजर दौड़ाएं तो छह और नौ जनवरी को न्यूनतम तापमान दो बार 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तभी मौसम ने यू-टर्न लिया और अचानक न्यूनतम तापमान में गिरावट होने से सर्दी बढ़ गई। इसके अलावा 23 जनवरी को पश्चिमी विक्षोभ के कारण आई बरसात से मौसम ने एक बाद दोबारा से पलटी मारी। बरसात होने से एक दिन पहले तक 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा अधिकतम तापमान घटकर सीधे दिन के समय 13 डिग्री तक पहुंच गया था। मौसम का यह बदलाव प्रकृति की नहीं, बल्कि हमारी देन है। हम ग्लोबल वॉर्मिंग को लेकर जिस तरह से बेपरवाह हैं, उसका असर दिखने लगा है।

मानव सहित सभी प्रजातियों और धरती का अस्तित्व खतरे में है। शायद ही कोई तथ्यों से अवगत व्यक्ति इससे इंकार करे। तमाम आनाकानी के बावजूद भयावह प्राकृतिक आपदाओं व विध्वंसों ने दुनिया को इस तथ्य को स्वीकार करने के लिए इस कदर बाध्य कर दिया है कि वे इस हकीकत से इंकार न कर सके। इस स्थिति से निपटने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और संधि-समझौते हो चुके हैं। ये सम्मेलन या कार्य-योजनाएं दुनिया भर के पर्यावरणविदों तथा मनुष्य एवं धरती को प्यार करने वाले लोगों की उम्मीदों का केंद्र रहे हैं, क्योंकि इस सम्मेलन की सफलता या फिर असफलता पर ही मानव जाति के अस्तित्व का दारोमदार टिका हुआ था। इसी से यह तय होना था कि आने वाले वर्षों या सदियों में कौन से देश का अस्तित्व बचेगा या कौन सा देश समुद्र में समा जाएगा या किस देश का कितना हिस्सा समुद्र में डूब जाएगा, कितने देश या क्षेत्र ऐसे होंगे, जिनका नामो-निशान ही नहीं बचेगा। कितनी प्रजातियां कब विलुप्त हो जाएंगी। मानव प्रजाति का अस्तित्व अब कितने दिनों तक कायम रहेगा। समुद्री तूफान, सुनामी या अतिशय बारिश किन क्षेत्रों को तबाह कर देगी, किस पैमाने पर जान-माल का नुकसान होगा। कितने इलाके रेगिस्तान में बदल जाएंगे। बाढ़, सूखा या असमय बारिश कितने लोगों पर किस कदर कहर ढाएगी।

पृथ्वी का औसत तापमान लाखों वर्षों से 15 डिग्री सेंटीग्रेड बना है। क्षेत्र विशेष में, समय विशेष पर तापमान में वृद्धि या कमी होती रहती है, लेकिन औसत तापमान स्थिर रहता है। इसी औसत तापमान में वृद्धि को वैश्विक तापमान में वृद्धि या ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं। चूंकि इसके चलते बड़े पैमाने पर जलवायु में परिवर्तन होता है, इसी के चलते इसे जलवाय परिवर्तन या क्लाइमेट चेंज भी कहते हैं। 1980 के दशक में इस मानव निर्मित समस्या की गंभीरता की ओर पर्यावरणविदों व वैज्ञानिकों का ध्यान गया। संयुक्त राष्ट्र ने इस विश्वव्यापी समस्या की गंभीरता को स्वीकार करते हुए 1992 में पहला पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया। तबसे थोड़े-थोड़े अंतराल पर यह सम्मेलन आयोजित किया जाता रहा है। पर्यावरणविदों तथा वैज्ञानिकों का मानना है कि शायद थोड़े बहुत विनाश के साथ पृथ्वी दो डिग्री सेंटीग्रेड तक की तापमान वृद्धि को बर्दाश्त कर ले। यह अलग बात है कि इतनी भी वृद्धि तमाम भयावह एवं विध्वंसक आपदाओं को जन्म देगी। कुछ देश समुद्र के आगोश में समा जाएंगे, कुछ देशों के बड़े हिस्से तथा कुछ देशों के छोटे हिस्सों को समुद्र निगल लेगा। जब 0.7 सेंटीग्रेड की वृद्धि पर इतनी प्राकृतिक आपदाएं घटित हो रही हैं, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि दो डिग्री सेंटीग्रेड बढ़ने पर क्या होगा?

वैज्ञानिक मानते हैं कि यदि वैश्विक तापमान वृद्धि पर जताई गई चिंताओं पर संज्ञान नहीं लिया गया तो यह कृषि के लिए घातक साबित हो सकता है। इसमें मानसून पैटर्न में बदलाव की आशंका के साथ गंगा घाटी के सूखे की चपेट में आने की भविष्यवाणी की गई है। इससे किसान, बेघर और गरीब तबाह हो जाएंगे। हमारे सामने आज सबसे बड़ी चुनौती कृषि को जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि के खतरों से बचाने की है। इसके लिए हमें फसलों को इसके प्रतिरोधी बनाना होगा। नए शोध करने होंगे। नई किस्में तैयार करनी होंगी। लेकिन चिंताजनक यह है कि इस दिशा में देरी हो रही है। देरी इसलिए है, क्योंकि हम भविष्य के संकट की अनदेखी कर रहे हैं। मगर अब इस दिशा में लापरवाही भारी पड़ सकती है।

कविता निगम
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

ट्विटर

सरकार के एजेंडे में भ्रष्टाचार मिटाना सबसे ऊपर है। सरकार यह करके दिखाएगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार के काम पर अब दुनिया की मुहर भी लग चुकी है।

संबित पात्रा, भाजपा प्रवक्ता

मोदी सरकार का हर काम अब तक आंकड़ों में ही दिखता आया है। अब भ्रष्टाचार के खिलाफ भी यही हो रहा है, जबकि देश की क्या हालत है, यह छिपा नहीं है।

मनीष तिवारी, कांग्रेस नेता

सत्यार्थ

ताली दोनों हाथों से बजती है

संन्यास धारण कर लेने के बाद गौतम बुद्ध ने अनेक क्षेत्रों की यात्रा की। एक बार वह एक गांव में गए। वहां एक महिला उनके पास आई और कहने लगी-आप तो बिलकुल किसी राजकुमार की तरह लगते हैं। क्या मैं यह जान सकती हूं कि इस युवावस्था में आपके गेरुआ वस्त्र पहन लेने का क्या कारण है। तब गौतम बुद्ध ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया- तीन प्रश्नों के समाधान ढूंढने के लिए मैंने संन्यास लिया है। यह शरीर, जो युवा व आकर्षक है, मगर जल्दी ही यह वृद्ध होगा, फिर बीमार भी और अंत में मृत्यु के मुंह में चला जाएगा। मुझे वृद्धावस्था, बीमारी व मृत्यु के कारण का ज्ञान प्राप्त करना है। बुद्ध की बातों से प्रभावित होकर उस महिला ने उन्हें भोजन के लिए अपने घर आमंत्रित किया। शीघ्र ही यह बात पूरे गांव में फैल गई। गांव वाले बुद्ध के पास आए और आग्रह किया कि वे उस महिला के घर पर भोजन करने न जाएं, क्योंकि वह चरित्रहीन है। तब बुद्ध ने उस गांव के मुखिया से पूछा-क्या आप भी मानते हैं कि वह स्त्री चरित्रहीन है। इस पर मुखिया ने कहा- मैं शपथ लेकर कहता हूं कि वह बुरे चरित्र वाली स्त्री है। आप उसके घर कदापि न जाएं। इसके बाद गौतम बुद्ध ने मुखिया का दायां हाथ पकड़ा और उसे ताली बजाने के लिए कहा। तब मुखिया बोला- मैं एक हाथ से ताली कैसा बजा सकता हूं, क्योंकि मेरा दूसरा हाथ तो आपने पकड़ रखा है। मुखिया का जवाब सुनते ही बुद्ध बोले- इसी प्रकार वह स्त्री स्वयं चरित्रहीन कैसे हो सकती है, जब तक इस गांव के पुरुष चरित्रहीन न हों। अगर गांव के सभी पुरुष चरित्रवान होते, तो यह औरत ऐसी न होती। इसलिए उसके ऐसे चरित्र के लिए यहां के पुरुष भी जिम्मेदार हैं। यह सुन सभी लज्जित हो गए।

मुकेश शर्मा

सार समाचार

यमन में युद्ध विराम के लिये जहाज पर वार्ता का आयोजन करेगा संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। यमन में संयुक्त राष्ट्र मिशन के प्रमुख संघर्ष विराम के लिए सरकार और हुती विद्रोहियों के बीच एक जहाज में महत्वपूर्ण वार्ता का आयोजन करेंगे। संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में कहा कि नीदरलैंड के सेवानिवृत्त जनरल पैट्रिक कैम्माएर्ट पहले लाल सागर में एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करेंगे, फिर वह हुदैदा तट पर लौटकर हुती के वार्ताकारों का इंतजार करेंगे, जो रविवार को वहां पहुंच रहे हैं। बयान में कहा गया कि दोनों पक्ष दिसंबर में स्वीडन में हुये एक समझौते को लागू करने के लिए अगला कदम उठाने पर चर्चा करेंगे। समझौते को लागू करने के लिए यह एक संयुक्त समिति की तीसरी बैठक है, जिसमें हुदैदा में संघर्ष विराम का आह्वान किया गया था।

चीन के साथ व्यापार घाटा को बरकरार नहीं रहने दे सकते : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह चीन के साथ भारी-भरकम व्यापार घाटा को बरकरार नहीं रहने दे सकते हैं। ट्रंप ने यह टिप्पणी दोनों देशों के अधिकारियों के बीच व्यापार वार्ता के नये दौर के समाप्त होने के एक दिन बाद की है। उन्होंने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, ''आप जिसकी बात कर रहे हैं, यदि हमने चीन के साथ सौदा किया तो यह हमारे लिये नयी दुनिया होगी। हमें हर साल चीन के साथ व्यापार में 500 अरब डॉलर का नुकसान होता है और यह कई साल से हो रहा है।

यमन में युद्ध विराम के लिए जहाज में मीटिंग का आयोजन करेगा संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र : यमन में संयुक्त राष्ट्र मिशन के प्रमुख संघर्ष विराम के लिए सरकार और हुती विद्रोहियों के बीच एक जहाज में महत्वपूर्ण वार्ता का आयोजन करेंगे. संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में कहा कि नीदरलैंड के सेवानिवृत्त जनरल पैट्रिक कैम्माएर्ट पहले लाल सागर में एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करेंगे, फिर वह हुदैदा तट पर लौटकर हुती के वार्ताकारों का इंतजार करेंगे, जो रविवार को वहां पहुंच रहे हैं. बयान में कहा गया कि दोनों पक्ष दिसंबर में स्वीडन में हुए एक समझौते को लागू करने के लिए अगला कदम उठाने पर चर्चा करेंगे. समझौते को लागू करने के लिए यह एक संयुक्त समिति की तीसरी बैठक है, जिसमें हुदैदा में संघर्ष विराम का आह्वान किया गया था.

शख्स ने एयरपोर्ट पर फैलाई बम होने की झूठी अफवाह, पुलिस ने रबर की गोली चलाकर किया गिरफ्तार

कैनबरा : ब्रिस्बेन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चाकू के दम पर एक महिला को आतंकित करने, बम होने की झूठी धमकी देने और हवाई अड्डे का परिचालन लगभग दो घंटे के लिए बाधित करने वाले व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने हवाई अड्डे पर आतंक मचाने वाले व्यक्ति को काबू में करने के लिए शनिवार देर रात उस पर रबर की गोलियां चलाईं और उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने बताया कि घटना आतंकवाद से जुड़ी नहीं है. हवाई अड्डे के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस गतिरोध के चलते परिचालन कम से कम तीन घंटे तक प्रभावित रहा. दरअसल पूरी घटना टर्मिनल के फूड कोर्ट से शुरू हुई. यहां एक व्यक्ति ने एक महिला को चाकू दिखाया साथ ही मेज पर एक नकली बम रख दिया. घटना से आतंकित सैकड़ों लोग स्थान छोड़ कर भाग गए थे. एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि ''महिला की चीख खून जमा देने वाली थी.'' पुलिस आयुक्त इयान स्टीवार्ट ने बताया कि आरोपी की पहली भाषा अरबी थी इसलिए उससे बातचीत करने के लिए अरबी बोलने वालों को बुलाया गया था.

जेल में बंद नवाज शरीफ की हालत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती कराने का आदेश

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने शनिवार को नवाज शरीफ को जेल से अस्पताल में भर्ती कराने का आदेश दिया। कुछ दिन पहले विशेष मेडिकल बोर्ड इस नतीजे पर पहुंचा था कि पूर्व प्रधानमंत्री को हृदय संबंधित जटिलताएं हो रही हैं। शरीफ (69) अल-अजीजिया स्टील मील्स भ्रष्टाचार मामले में लाहौर की कोट लखपत जेल में सात साल जेल की सजा काट रहे हैं।

शरीफ के स्वास्थ्य की निगरानी के लिये गठित विशेष मेडिकल बोर्ड की सिफारिश के बाद यह आदेश सामने आया है। बोर्ड ने सिफारिश की थी कि शरीफ को अस्पताल में भर्ती कर देना चाहिए। बोर्ड ने इस सप्ताह जेल में पूर्व प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य की जांच की थी। जेल प्रशासन को दिये निर्देश में पंजाब सरकार ने कहा कि नवाज शरीफ कई बीमारियों से ग्रसित रहे हैं और विदेश में कई बार दिल की बीमारी से संबंधित उपचार करा चुके हैं।

उनके इसी इतिहास को देखते हुए यह सलाह दी गयी है कि उन्हें आगे की चिकित्सकीय जांच/प्रबंधन के लिये अस्पताल में भर्ती कराया जाये जहां उनकी बेहतर देखभाल हो सकेगी। इसने निर्देश दिया कि अस्पताल भेजने के क्रम में और इलाज के लिये वहां भर्ती रहने के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। पंजाब के सूचना मंत्री फयाजुल हसन चौहान ने कहा कि शरीफ को शनिवार को अस्पताल में भर्ती करा दिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि छह सदस्यीय चिकित्सकीय बोर्ड की रिपोर्ट को देखते हुए शरीफ को अस्पताल में भर्ती कराने का फैसला किया गया है। मंत्री ने कहा, ''सरकार ने जेल में शरीफ को बेहद स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी और चूंकि चिकित्सकीय बोर्ड ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी इसलिए सरकार को इस पर कोई आपत्ति नहीं है।''अ

इस्लामिक क्रांति की वर्षगांठ पर ईरान ने किया क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

तेहरान। ईरान ने 1979 की इस्लामिक क्रांति की वर्षगांठ के अवसर पर 1,350 किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी तक मार करने वाले नये क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। सरकारी टीवी चैनल ने मिसाइल परीक्षण का प्रसारण किया। टीवी के अनुसार देश के रक्षा मंत्री आमिर हातमी का कहना है, ''होविज क्रूज मिसाइल का 1,200 किलोमीटर मारक क्षमता का परीक्षण सफल रहा। उसने सटीक निशाना लगाया।

उन्होंने कहा, ''यह न्यूनतम समय में तैयार हो सकती है और बहुत कम ऊंचाई पर उड़ान भरता है।'' हातमी ने होविज मिसाइलों को ईरान के लंबे हाथों की संज्ञा दी है। यह मिसाइल 2015 में 700 किलोमीटर दूरी की मारक क्षमता के साथ विकसित सुमार श्रेणी के क्रूज मिसाइलों का हिस्सा है। तेहरान में 'रक्षा उपलब्धियों के 40 साल' शीर्षक के तहत आयोजित रक्षा प्रदर्शनी के दौरान होविज मिसाइलों का प्रदर्शन किया गया था।

ईरान में इस्लामिक क्रांति की शुरूआत और पश्चिम के प्रति साहानुभूति रखने वाले शाह को सत्ता से हटाने की वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार से समारोहों का आयोजन हो रहा है। यह 10 दिन तक चलेगा। गुरुवार को हजारों की संख्या में लोग इस्लामिक क्रांति के अगुवा और मौजूदा ईरान के संस्थापक अयातुल्ला रुहोल्ला खुमैनी की कब्रगाह पर जुटे थे। ईरान ने स्वैच्छिक रूप से अपनी मिसाइलों की मारक क्षमता 2,000 किलोमीटर तक नियंत्रित की हुई है।

इसके बावजूद उसकी मिसाइलें इज़राइल और मध्य एशिया में बने पश्चिमी देशों के सैन्य अड्डों तक पहुंच सकती हैं। वाशिंगटन और उसके सहयोगी देशों का आरोप है कि ईरान अपनी मिसाइल क्षमता बढ़ा रहा है जिससे यूरोप को खतरा महसूस हो रहा है।

बढ़ते दबाव के बीच मादुरो ने दी समय पूर्व संसदीय चुनाव कराने की धमकी

काराकास (एजेंसी)।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने विपक्षी नेता जुआन गुएडो को अलग-थलग करने की कोशिश के तहत समय पूर्व संसदीय चुनाव कराने की धमकी दी है। गुएडो संसद अध्यक्ष हैं लेकिन उन्होंने 23 जनवरी को अपने आप को देश का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया था। नेशनल असेंबली के प्रमुख गुएडो ने मादुरो के इस्तीफा और नए राष्ट्रपति चुनाव कराने की मांग को लेकर शनिवार को काराकास में सड़कों पर व्यापक जन प्रदर्शन का नेतृत्व किया था।

मादुरो ने उनके पूर्ववर्ती हुगो शावेज के नेतृत्व वाले समाजवादी आंदोलन की 20वीं वर्षगांठ पर एक रैली में कहा कि वह संविधान सभा में एक प्रस्ताव लाने के पक्ष में हैं, जिसमें 2020 के अंत में होने वाले संसदीय चुनाव को समय पूर्व कराने की बात होगी। छह महीनों में पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए मादुरो ने कहा, ''मैं राजी हूं और मैं इस फैसले पर कायम रहूंगा। वे (विपक्ष) जल्दी चुनाव कराना चाहते हैं, तो चलिए चुनाव कराते हैं।'' चार प्रमुख यूरोपीय देशों ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और स्पेन ने कहा कि अगर मादुरो ने रविवार आधी रात तक राष्ट्रपति चुनाव कराने की घोषणा नहीं की तो वह गुएडो को अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर मान्यता दे देंगे।

नेशनल असेंबली विपक्ष के नियंत्रण वाली सरकार की एकमात्र शाखा है। हालांकि, 2016 से उसके पास कोई शक्ति नहीं है। सरकार के वफादारों की बहुतायत वाले उच्चतम न्यायालय ने उसकी शक्तियां छीन ली थीं। गौरलतब है कि मादुरो ने संसद के स्थान पर 2017 में संविधान सभा बनाई थी। संसद ने अपने आप को देश का सर्वेसर्वा घोषित किया था। जब नए संसदीय चुनाव होंगे तो विपक्ष अपना बहुमत खो सकता है। अंतरराष्ट्रीय समर्थन बढ़ने के साथ ही गुएडो सत्ता छोड़ने के लिए मादुरो पर दबाव बढ़ा रहे हैं। इस बीच, व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने वेनेजुएला की सेना से उस जनरल के निर्देशों का पालन करने के लिए कहा है जो राष्ट्रपति मादुरो के खिलाफ विपक्ष के नेता गुएडो के समर्थन में हैं। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने शनिवार को ट्वीट किया, ''अमेरिका सेना के सभी सदस्यों से जनरल यानेज के निर्देशों का पालन करने और लोकतंत्र का समर्थन कर रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की रक्षा करने का आह्वान करते हैं।'' वह मेजर जनरल फ्रांसिस्को यानेज का जिक्र कर रहे थे जिन्होंने मादुरो की ''तानाशाही'' को खारिज करते और गुएडो को कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में मान्यता देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया।

दुनिया के लिए चिंता बनेगा अमेरिका! परमाणु जखीरे को आधुनिक बनाने का उठा सकता है कदम

वाशिंगटन (एजेंसी)।

शीत युद्ध के समय की रूस के साथ हुई महत्वपूर्ण परमाणु हथियार संधि से अमेरिका के हटने के बाद हथियारों की नई दौड़ शुरू होने के साथ ही अमेरिका को अपने परमाणु हथियारों के जखीरे के आधुनिकीकरण का भी मौका मिल जाएगा. अमेरिका सार्वजनिक तौर पर वर्षों से हथियारों के आधुनिकीकरण की बातें कर रहा है.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिका 'मध्यम दूरी की मारक क्षमता वाली परमाणु बल संधि' (आईएनएफ) की बाध्यताओं से शनिवार को स्वयं को मुक्त कर रहा है. इससे छह माह में बाहर निकलने की प्रक्रिया शुरू कर रहा है.

नाटो ने इस कदम का समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका के सहयोगी देश संधि से हटने के फैसले में उसके साथ हैं और इस बात पर सहमत हैं कि रूस का 9एम729 क्रूज मिसाइल तंत्र आईएनएफ का उल्लंघन है.

अमेरिका की घोषणा के एक दिन बाद शनिवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी ठीक वैसा ही रुख अपनाते हुए कहा कि उनका देश भी इस प्रमुख संधि में अपनी भागीदारी को स्थगित कर रहा है. गौरतलब है कि अमेरिका लंबे समय से रूस पर हथियार संधि का उल्लंघन करने का आरोप लगाता रहा है. और अब वह अपने जखीरे को आधुनिक बनाने के बारे में खुलेआम घोषणाएं कर रहा है.

बर्फबारी के बाद कैलिफोर्निया में तूफान का कहर, बाढ़ से जनजीवन प्रभावित

कैलिफोर्निया (एजेंसी)।

अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में बर्फबारी के बाद अब तूफान ने कहर बरपाया है। दक्षिणी कैलिफोर्निया में बाढ़ की वजह से जनजीवन प्रभावित हुआ है। पानी जमा हो जाने की वजह से प्रमुख राजमार्गों को बंद कर दिया गया है। यहां की सड़कों पर कीचड़ इकट्ठा हो गया है। बाढ़ की वजह से हजारों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिणी कैलिफोर्निया में चार इंच(10सेमी) बारिश हुई है। इसके अलावा पहाड़ियों पर कई फीट बर्फ जम गई है।

बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

सांता बारबरा काउंटी में 128 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। दक्षिणी इलाकों में तेज बारिश का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि महज पांच मिनट में ही आधा इंच (1.27 सेंटीमीटर) से अधिक बारिश हुई। तूफान की वजह से यहां पर कई पेड़ उखड़ गए। बताया जा रहा है कि यहां पर बिजली आपूर्ति भी ठप है।सांता बारबरा काउंटी के प्रवक्ता माइक एलीसन ने कहा कि बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई कारों को भी बाढ़ से निकाला गया है। माइक एलीसन ने कहा कि लोगों को अन्य रास्तों से होकर जाने की सलाह दी गई है। बता दें कि बाढ़ का सबसे अधिक प्रभाव लॉस एंजिल्स में देखा जा रहा है।

मौसम विभाग ने जारी की थी चेतावनी

इससे पहले मौसम विभाग ने तेज बारिश की चेतावनी जारी की थी। मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार को भी बारिश होने की संभावना भी जताई है। कई विशेषज्ञों के मुताबिक, बारिश से हालात और बिगड़ सकते हैं। बता दें कि मध्य-पश्चिमी अमेरिका में ठंड के कारण अब तक 29 लोगों की मौत हो गई है। भारी बर्फबारी से यातायात व्यवस्था भी पूरी तरह चरमरा गई थी। प्रशासन ने बाढ़ के खतरे को देखते हुए उत्तरी और दक्षिणी कैलिफोर्निया को खाली कराने का आदेश दिया गया था।

यौन शोषण के जुर्म में फ्रांस के एक पादरी को जेल की सजा

कोलमार (फ्रांस) (एजेंसी)।

फ्रांस के एक पादरी को चर्च में नियमित तौर पर आने वाली चार लड़कियों के यौन शोषण और एक पीड़िता को पैसे देने के लिए 115,000 डॉलर की धनराशि के गबन के जुर्म में पांच साल की सजा सुनाई गई है जिसमें से दो साल की सजा बिना पैरोल के काटनी होगी। पीड़ितों में से एक की उम्र अपराध के समय महज नौ साल थी। उत्तरपूर्वी फ्रांस में कोलमार आपराधिक अदालत ने मुकदमे की सुनवाई बंद कमरे में की और शुक्रवार देर रात सार्वजनिक रूप से फैसले की घोषणा की।वकीलों के अनुसार, पादरी को मनोवैज्ञानिक जांच भी करानी होगी जो उसने पहले ही शुरू कर दी है। चार पीड़ितों में से तीन के अनुरोध पर बंद कमरे में सुनवाई शुरू की। ये चारों लड़कियां अपराध के समय नाबालिग थीं। इस अपराध को 2001 और 2006 तथा 2011 से 2016 के बीच अंजाम दिया गया। पादरी के वकील थिएरी मोजर ने एक बयान में बताया कि पादरी ने अपराधों पर बहुत खेद जताया और ऐसे असहनीय कृत्यों से आहत पीड़ितों तथा लोगों से माफी मांगी। उसने चर्च के लिए निर्धारित धनराशि में से 115,000 डॉलर के गबन की बात भी स्वीकार की। उसने यौन संबंध बनाने की एवज में एक पीड़िता को यह धनराशि दी थी।

पाकिस्तान का भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई इरादा नहीं है : शाह महमूद कुरैशी

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा है कि उनके देश का भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई इरादा नहीं है और नयी दिल्ली को कश्मीरी अलगाववादी नेता मीरवाइज उमर फारूक से टेलीफोन पर उनकी बातचीत को मुद्दा नहीं बनाना चाहिए. भारत ने बुधवार को पाकिस्तान के उच्चायुक्त सोहेल महमूद को तलब किया था और उन्हें स्पष्ट रूप से बताया था कि कुरैशी द्वारा फोन पर की गई बातचीत भारत की एकता को तोड़ने का 'शर्मनाक प्रयास' है और यह उसकी संप्रभुत्ता तथा क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करता है.

विदेश सचिव विजय गोखले ने महमूद को 'आगाह' किया कि ऐसे व्यवहार के 'प्रभाव' होंगे. डॉन अखबार के मुताबिक, मुल्तान में शनिवार को मीडिया से बातचीत में कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान का भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई इरादा नहीं है लेकिन नयी दिल्ली को अपनी दिक्कतों के लिए इस्लामाबाद को जिम्मेदार ठहराना बंद करना चाहिए.

उन्होंने यह माना कि उन्होंने हुर्रियत नेता मीरवाइज से बात की और कहा कि भारत को इसे मुद्दा नहीं बनाना चाहिए. द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने कुरैशी के हवाले से कहा, 'हम बातचीत के जरिए कश्मीर विवाद हल करना चाहते हैं लेकिन भारत अनावश्यक हंगामा कर रहा है.' उन्होंने कहा, 'भारत में मुद्दे उभर रहे हैं लेकिन पाकिस्तान की उसमें कोई भूमिका नहीं है.'

कुरैशी ने कहा कि वह इस सप्ताह लंदन में हाउस ऑफ कॉमन्स में एक कार्यक्रम में कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के विचार रखेंगे. पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा कि भारत में चुनाव अंदरुनी मामला है और अगर नई सरकार पाकिस्तान के साथ काम करना चाहेगी तो वह उसके साथ बात करने की कोशिश करेगा. भारत ने पाकिस्तान को साफ शब्दों में कह दिया है कि वार्ता और आतंकवाद साथ साथ नहीं चल सकते.

कुरैशी ने दावा किया कि मौजूदा सरकार की सफल कूटनीति के कारण कई देशों के साथ पाकिस्तान के रिश्ते सुधरे हैं. उन्होंने कहा कि सऊदी के शहजादे इस महीने पाकिस्तान की यात्रा पर आएंगे. उन्होंने कहा, 'उनकी यात्रा के दौरान नए समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे.' पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा था कि कुरैशी ने हुर्रियत नेता से बात की और उनसे कश्मीर मुद्दे को उठाने के पाकिस्तान के प्रयासों पर चर्चा की.

नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने कहा कि समस्त जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और हमेशा रहेगा तथा पाकिस्तान को जम्मू कश्मीर से संबंधित किसी भी मामले में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है. यह बात पाकिस्तान के उच्चायुक्त को स्पष्ट कर दी गई है.

नई दिल्ली में सरकार के सूत्रों के अनुसार, भारत मंगलवार को दिए पाकिस्तान के बयान पर नाराज है जिसमें कश्मीर मुद्दे पर केंद्रित बातचीत की जानकारियां साझा की गई. सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी नेताओं ने पहले

भी कश्मीर में अलगाववादियों से टेलीफोन पर बात की है लेकिन हाल के वर्षों में यह शायद पहली बार है कि इस्लामाबाद ने चर्चा की बातों के बारे में एक बयान जारी किया जिसके बारे में भारत को लगता है कि यह साफ तौर पर सीमा लांघने का मामला है.

इस बीच, पाकिस्तान के अहम राजनीतिक दलों ने शनिवार को सर्वदलीय कश्मीर सम्मेलन के अंत में संयुक्त घोषणापत्र जारी किया और कहा कि कश्मीर मुद्दे को हल किए बिना क्षेत्र में शांति लाना संभव नहीं है. घोषणापत्र में पाकिस्तान सरकार से कश्मीर के मुद्दे को हल करने के लिए प्रभावी विदेश नीति तैयार करने का आह्वान किया गया है.

माहवारी की इस अजीब परंपरा से नेपाल में एक महिला की मौत

काठमांडू (एजेंसी)।

माहवारी की वजह से बिना खिड़की वाली झोपड़ी में रह रही 21 वर्षीय एक नेपाली महिला की कथित तौर पर दम घुटने से मौत हो गई। नेपाल में माहवारी के दौरान महिला को अस्पृष्य मानते हुए अलग थलग रहने की इस प्रथा पर रोक लगा दी गई है। कई समुदायों में अब भी माहवारी के दौरान महिला को अपवित्र मान कर उसे इस अवधि में पारिवारिक आवास से दूर रहने के लिए बाध्य किया जाता है। दूरस्थ धोती जिले में 31 जनवरी को पार्वती बोगाती अलग थलग एक झोपड़ी में अकेले सो रही थी। झोपड़ी को गर्म रखने के लिए उसने आग जला रखी थी। काठमांडू पोस्ट की खबर में बताया गया है कि अगले दिन सुबह पार्वती के देर तक न उठने पर उसकी सास लक्ष्मी बोगती झोपड़ी में गई जहां वह मृत पड़ी मिली। लक्ष्मी ने बताया 'वह (पार्वती) खुश थी क्योंकि अगले दिन उसका माहवारी चक्र समाप्त हो जाता। लेकिन उससे पहले ही वह चल बसी। उसने कहा कि पार्वती उस दिन अलग थलग पड़ी झोपड़ी में गई क्योंकि अक्सर माहवारी के दौरान वह जिस झोपड़ी में जाती थी, वहां तीन अन्य रजस्वला महिलाएं भी थीं। ग्रामीण नगरपालिका अध्यक्ष दीर्घा बोगती ने बताया कि पार्वती की मौत दम घुटने की वजह से हुई। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। इस साल जनवरी में 35 वर्षीय एक महिला और उसके दो बेटों की इसी तरह की बिना खिड़की वाली झोपड़ी में दम घुटने से मौत हो गई थी। यह महिला भी माहवारी की वजह से ही झोपड़ी में रह रही थी।

सूरत। जुनियर रैश्लिंग चैम्पियन शीप प्रतियोगिता में शहर के घुड़ दौड़ रोड़ स्थित इंडोर स्टेडियम में एक दुसरे पर जोर आजमाती महिला पहलवान।

एडवोकेट बी.के. सिंह का लाइसेंस निरस्त करने की उठी मांग

दिल्ली। रोहिणी कोर्ट दिल्ली बार के सदस्य अधिवक्ता श्री राजीव अग्निहोत्री ने वकालत के गिरते इस्तर को बचाने को लेकर बार कौंसिल ऑफ़ दिल्ली के चेयरमैन और दूसरे सदस्यों को अपने पत्र द्वारा तीन दिन पूर्व अधिवक्ता बी.के. सिंह एनरोलमेंट नंबर 634-जी /2001 का लाइसेंस तुरन्त निरस्त करने की मांग की , श्री राजीव अग्निहोत्री ने यह चिंता जताई अगर बी.के. सिंह जैसे लोगों का लाइसेंस निरस्त नहीं किया गया तो यह वकालत जो एक पेशे के साथ- साथ श्रेष्ठ सामाजिक कार्य भी है ,जिसकी साख बी.के. सिंह जैसे लोगों द्वारा ही गिर रही है और बहुत जरूरी है साख को बचाया जाये।

तीन दिन पूर्व रोहिणी कोर्ट दिल्ली में एडवोकेट श्री राजीव अग्निहोत्री नें, अधिवक्ता आर . सी. नागपाल के कहने पर एक महिला मुवक्किल जिसको बी.के. सिंह नें गुमराह कर रखा था , यह सलाह दे डाली की आपको सिर्फ कोर्ट की फीस ही जमा करनी है और एक लाख रुपए रिश्वत के कहीं भी और किसी को नहीं देने हैं , महिला मुवक्किल को गेट से बाहर ऑटो में बैठाने के उपरांत बी.के. सिंह ने राजीव अग्निहोत्री को भद्दी , भद्दी गाली दीं और उनका अंगूठा मरोड़ दिया इसके पूर्व भी बी.के. सिंह इस तरह लोगों को गुमराह कर चुका है , बलात्कार और पोक्सो 6 जैसी धाराओं में २- ३ दिन में बेल की गारंटी देना आम है . वकीलों से झगडा और गाली गलोज यह इसके लिए

आम बात है , अधिवक्ता राजीव अग्निहोत्री ने बार कौंसिल ऑफ़ दिल्ली के आनरेरी सेक्रेटरी श्री विष्णु शर्मा को अपना शिकयत पत्र सौंपा और वकालत के गिरते इस्तर को बचाने की मांग की , अधिवक्ता राघव कपूर को जब जानकारी मिली उन्हों नें इस मुद्दे को बार कौंसिल ऑफ़ इंडिया में भी उठाने की मांग रक्खी और कुछ अधिवक्ता गण जल्द बार कौंसिल ऑफ़ दिल्ली के चेयरमैन श्री के .सी मित्तल से मुलाकात करेंगे। डिस्ट्रिक्ट जज नार्थ वेस्ट रोहिणी कोर्ट दिल्ली को प्रार्थना पत्र दे कर सी सी टी वी फुटेज मुहैया कराने की मांग की है क्यों की उपरोक्त पूरी घटना जहाँ हुई है वहां सी सी टी वी कैमरा भी लगा हुआ है और पूरी घटना उसमे क़ैद होना लाजमी है।

महिला ट्रस्टी एवं सदस्यों की तैयारियों की बैठक

श्री श्याम मंदिर द्वितिय पाटोत्सव

सूरत। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की महिला ट्रस्टीयों एवं आजीवन सदस्यों ने श्री श्याम मंदिर के द्वितिय पाटोत्सव की तैयारियां शुरु कर दी है। इसके हेतु एक बैठक का आयोजन रविवार को सुबह 11 बजे से लखदातार हाल में किया गया। मिटिंग में सूरत शहर के विभिन्न महिला संस्थाओं के सदस्या एवं ट्रस्ट के महिला ट्रस्टी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में ट्रस्ट के सचिव ने पाटोत्सव कार्यक्रम एवं उसकी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी

दी। पाटोत्सव कार्यक्रमें अनेकों महिलों ने सेवा हेतु अपना नाम दर्ज कराया।

पीएसआई और कॉन्स्टेबलों ३ बीएचके के मकान मिलेंगे

अहमदाबाद । राज्य सरकार द्वारा रविवार एक और महत्वपूर्ण घोषणा की गई थी कि, राज्य के पुलिस पीएसआई और कॉन्स्टेबल के तौर पर सेवा करते अधिकारियों को २ बीएचके के क्वार्टर के बदले में अब से ३ बीएचके के मकान मिलेंगे ।

पुलिस अधिकारियों की सुविधा बढ़े और पारिवारिक ज ीवन में सरलता बढ़े इस उद्देश्य से अभी तक पुलिस कॉन्स्टेबल को मिलता ४१.८५ चौमी. के २ बीएचके के बदले ५० से ५५ चौमी. के ३ बीएचके के क्वार्टर मिलेंगे । जबकि पीएसआई को मिलते ५५.४६ चौमी. के २ बीएचके के बदले में ६० से ६५ चौमी. के ३ बीएचके क्वार्टर मिलेंगे । यह मामले में आधिकारिक घोषणा गृहमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने की । सरकार की इस घोषणा की वजह से पूरे राज्य के पुलिसबेडा में विशेष करके पुलिस कॉन्स्टेबल और पीएसआई में खुशी की लहर फैल गई ।

आरोपी महिला की ७ फरवरी तक की रिमांड मंजूर

मानव तस्करी के घोटाले में महिला दलाल माया गिरफ्तार

माया ने प्रकाश मराठी सहित के आरोपियों की गैंग के द्वारा इस प्रकार से कई युवतियों को बेची थी

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर से ईसनपुर पुलिस ने मानव तस्करी का बड़ा घोटाला पकड़ा है। कागडापीठ क्षेत्र से अपहरण की गई और बाद में अलग-अलग व्यक्तियों को बेची गई किशोरी पांच वर्ष बाद पुलिस के हाथ लगी है ।

यह संवेदनशील घोटाले में पुलिस ने मुख्य महिला आरोपी दलाल माया की गिरफ्तारी की है । पुलिस ने आरोपी महिला दलाल माया को कोर्ट में पेश करने पर कोर्ट ७ फरवरी तक आरोपी महिला दलाल माया की रिमांड को मंजूर किया। पुलिस जांच में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई थी कि, महिला दलाल माया ने अपने साथी प्रकाश मराठी, बाबू सहित के आरोपियों की मदद से कागडापीठ क्षेत्र की एक युवती को तीन लाख में बेच दी गई थी और पैसे लेकर इसके दो से तीन लोगों के साथ बाहर ही शादी करा दी गई। इतना ही नहीं, आरोपियों द्वारा अपहृत युवती को मानसिक टोर्चर भी किया जाता था। इतना ही नहीं इसे नोनवेज, शराब-सिगरेट पीने के लिए मज बूर करायी जाती थी। पुलिस ने शुरू की जांच में आरोपी महिला दलाल माया ने अपनी गैंग की मदद से अन्य युवतियों को इसी प्रकार से बेच देने की चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है, जिसे लेकर अब पुलिस ने मानव तस्करी के घोटाले में गहन जांच शुरू कर दी है ।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष २०१४ में कागडापीठ क्षेत्र में टयुशन में गई किशोरी वापस नहीं आने से इसके पिता ने पुलिस शिकायत दर्ज कराई थी । कागडपीठ पुलिस ने दो वर्ष जांच करने के बावजूद भी किशोरी की कोई जानकारी नहीं मिली। इसी वजह से किशोरी के पिता ने यह केस की जांच अन्य एजेंसी को सौंपने की अर्जी की थी । हाईकोर्ट ने सीआईडी क्राइम को जांच सौंपी थी। इसे भी दो वर्ष तक कुछ हाथ नहीं लगा। इस दौरान किशोरी के पिता ने सीआईडी क्राइम को कई मुद्दे दिए थे कि उनकी बेटी की मानव तस्करी हुई है, इसके लिए इसके साथ गई इसकी सहेली की जांच करनी चाहिए। इसके बावजूद भी सीआईडी क्राइम ने यह मुद्दे पर जांच नहीं की।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर बम रखने के मैसेज से अफरातफरी

अहमदाबाद । अहमदाबाद इन्टरनैशनल एयरपोर्ट पर रविवार को बम रखे जाने का मैसेज मिला । जिसकी वजह से एयरपोर्ट पर अफरातफरी मच गई । एयरपोर्ट पर सुरक्षाकर्मी सहित डॉग स्क्वायड, बम स्क्वायड सहित की सुरक्षा टीमें एक्शन में आ गई थी । गहन जांच के अंत में एयरपोर्ट पर से कोई भी आपत्तिज नक चीजवस्तु नहीं मिलने से बम रखने की बात फर्जी साबित हुई थी । हालांकि बम रखने की अफवाह की वजह से अहमदाबाद एयरपोर्ट पर सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली एयर इंडिया ने अहमदाबाद एयर इंडिया के मैनेजर को अहमदाबाद एयरपोर्ट में बम रखने की जानकारी दी गई थी । जिसकी वजह से एयरपोर्ट ऑथोरिटी द्वारा तुरंत एयरपोर्ट खाली कराया गया । डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड की टीम काम में लगाकर एयरपोर्ट की गहन जांच शुरू की गई थी । अहमदाबाद पुलिस कमिशनर सहित के उच्च पुलिस अधिकारियों का काफिला एयरपोर्ट पहुंच गया। बम मैसेज की वजह से एयरपोर्ट पर उपस्थित यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। अपनी निश्चित फ्लाईट के समय में परिवर्तन होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा, उनकी निश्चित शीड्युल ठप हो गया।

२० लाख की फिरौती के साथ चार गिरफ्तार

अपहृत व्यापारी को पुलिस ने राजस्थान से मुक्त कराया

छह दिन पहले व्यापारी का अपहरण : क्राइमब्रांच ने उदयपुर एसटीएफ को साथ में रखकर ऑपरेशन किया

अहमदाबाद । अहमदाबाद के व्यापारी और नाना चिलोडा के पास कलर का धंधा करते व्यापारी हनुमंतसिंह राजपूत का गत २८ तारीख को शाम के समय में अपहरण हुआ। इसके बाद हनुमंतसिंह को छोड़ने के लिए अपहरणकर्ताओं द्वारा २५ लाख रुपये की मांग की गई थी । यह अपहरण की घटना को लेकर आखिर में अहमदाबाद क्राइमब्रांच ने गत दिन रात को उदयपुर स्पेशियल टास्क फोर्स की मदद से ऑपरेशन शुरू करके अपहृत हनुमंतसिंह को छुड़ा लिया गया और इसके साथ ही चार अपहरणकर्ता को २० लाख रुपये की फिरौती के साथ गिरफ्तार किया गया। छह दिन बाद मुक्त हुए व्यापारी और इसके परिजनों ने काफी राहत महसूस की।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद के सरदारनगर में रहते और नाना चिलोडा के पास कलर का धंधा हनुमंत सिंह राजपूत २८ तारीख की रात को ८ बजे अपनी दुकान बंद करके घर की तरफ जा रहे थे तब रास्ते से अज्ञात लोगों ने उनका अपहरण कर लिया । वह देर शाम को घर नहीं पहुंचने से परिजनों ने जांच शुरू कर दी लेकिन उनका फोन भी स्वीच ऑफ हो गया । इस दौरान हनुमंतसिंह के भागीदार का एक फोन आया और उनको जानकारी दी गई कि, हनुमंतसिंह का अपहरण हुआ है और उनको छोड़ने के लिए २५ लाख रुपये देने पड़ेंगे ।

इस प्रकार की फिरौती मांगने पर परिजन डर गये थे, इस मामले में पुलिस को जानकारी मिलने पर उन्होंने यह अपहरण मामले को गुप्त रखा गया था पुलिस को डर था कि अपहरणकर्ता डर की वजह से हनुमंतसिंह को नुकसान पहुंचा सकते है। दूसरी तरफ पूरे मामले की गंभीरता को ध्यान में रखकर अहमदाबाद क्राइमब्रांच सक्रिय हो गई थी और उन्होंने अपहरणकर्ता को ढूढ़ने के लिए कवायद शुरू कर दी । इसके बाद हनुमंतसिंह को छोड़ने के लिए अपहरणकर्ताओं द्वारा २५ लाख रुपये की मांग की गई थी । यह अपहरण की घटना को लेकर आखिर में अहमदाबाद क्राइमब्रांच ने गत दिन रात को उदयपुर स्पेशियल टास्क फोर्स की मदद से ऑपरेशन शुरू करके अपहृत हनुमंतसिंह को छुड़ा लिया गया और इसके साथ ही चार अपहरणकर्ता को २० लाख रुपये की फिरौती के साथ गिरफ्तार किया गया। छह दिन बाद मुक्त हुए व्यापारी और इसके परिजनों ने काफी राहत महसूस की।

दूसरी तरफ क्राइमब्रांच ने हनुमंतसिंह के भागीदार को अपहरणकर्ता के साथ संपर्क चालू रखने के लिए कहा गया । अपहरणकर्ता ने आखिर में २० लाख रुपये के साथ आने की सूचना दी थी । उदयपुर एक गांव के पास पैसे देने का तय किया गया और हनुमंतसिंह के भागीदार को बुलाया गया । पुलिस अपहरणकर्ता को गिरफ्तार करे तो हनुमंतसिंह की हत्या हो जाएगी इसी वजह से उनके भागीदार को सूचना दी गई आप पैसे देकर हनुमंतसिंह को लेकर निकल जाओ । शनिवार रात के ८ बजे पैसे चुकाने के बाद हनुमंतसिंह वहां से निकल गये इसके बाद क्राइमब्रांच और एसटीएफ ने ऑपरेशन शुरू करके चार अपहरणकर्ता और उनके पास रहे २० लाख रुपये भी जब्त कर लिए गए थे । व्यापारी की मुक्ति होने की वजह से परिजनों में खुशी की लहर फैल गई।

अहमदाबाद : डबलडेकर ओपन एयर रेस्टोरेन्ट का प्रारंभ हुआ है। इसमें सभी प्रकार की सुविधा लोगों के लिए रखी गई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)